10-3-16

# माँ

गुरुवार

एक बच्चा जैसे संपुर्ण रूप से
अपनी माँ के ऊपर निर्भर होता
है। वैसे इन ४५ दिनो मे मैं
पुर्णतह "गुरुमाँ" पर ही निर्भर
होता हुँ। उसकी इस "साधना"
मे बडी पडदे के पिछे की
भुमीका होती है।

बाबास्वामी
10/3/16

154

12.3.16

# निर्णय                    शनीवार

"पंतग" उडाने वाला ही निर्णय
लेता है। की पंतग कीनने
उपर उडानी चाहीये, की
जो निये सुरक्षीत उतारी
जा सके।

बाबास्वामी
12/3/16

## पंतग

रविवार
13.3.16

इस बार आत्मा रूपी "पंतग"
बहुत अधीक ही ऊपर चली
गयी थी। "गुरु माँ" को
निचे लाने मे बहुत परिश्रम
करना पडा।

बाबास्वामी
13/3/16

सोमवार
14.3.16

## ❀ पंतग ❀

इस बार "गुरुमाँ" परेशान हो
गयी थी। एक बार तो उसे
लगा। अब तो "पंतग" निचे
लाना संभव नही है,

बाबास्वामी
14.3.16

157
मंगलवार
15.3.16

# ❀ पंलग ❀

जब मनुष्य के सभी प्रयास
असफल होते है. तो "प्रार्थना"
ही अंतीम प्रयास होता है।
गुरु "माँ" ने प्रार्थना की थी।

बाबा स्वामी
15|3|16

बुधवार

16-3-16

## ꕥ पतंग ꕥ

अब "गुरु माँ" की "भूमिका" बढ़ गयी है, अब मेहनत पतंग को नही "पतंग" उड़ाने वाले को करना पड रही है, क्योकी पतंग "नियंत्रण" के बाहर जाने का "खतरा" बढ़ गया है,

बाबास्वामी
16/3/16

159

17.3.16
गुरुवार

## ❀ नया जिवन ❀

गहन ध्यान अनुष्ठान के बाद
जो यहाँ नया जिवन मीला
है, उसका उपयोग हम सब
मीलकर "गुरुकार्य" के लीये
करे आओ आगे बढे ।

बा।बास्वामी

160
18.3.16
शुक्रवार

# अंन्तर

"उपासना पद्धती" और "धर्म" इसमे अंन्तर समझना आवश्यक है।

बाबास्वामी
18/3/2016

19.3.16
शनिवार

## ❀ धर्म ❀

हम जिसे "धर्म" समझते है, वह "उपासना की पद्धति" है।

स्वामी
19/3/16

22.3.16
मंगलवार

# ❀ स्वधर्म ❀

मनुष्य का "स्वधर्म"
ही "मानव धर्म" है
वही "आत्मधर्म" है।

बाबास्वामी
22/3/2016

23.3.16
बुधवार

## ❀ आत्मज्ञान ❀

आत्मज्ञानी जागृत होने पर ही "आत्मज्ञान" होता है।

बाबा स्वामी
23.3.2016

25.3.16

## आत्मज्ञान

गुरुवार

"आत्मज्ञान" और "अज्ञान"
सारा मानव समाज ही
यह दो हिस्सो मे बंटा
है।

बाबारस्वामी
25|3|16

25.3.16

# ❀ आत्मज्ञान ❀

"आत्मज्ञान" से मानव को "सुख" और "शांन्ती" की प्राप्ती होती है,

बाबास्वामी
25/3/16

169

27.3.16

## वर्तमान

आत्मज्ञान मनुष्य को सदैव वर्तमान काल मे ही रखता है, क्योकी "वर्तमान" पर ही उसका नियंत्रण है,

बाबास्वामी

27/3/16

171
29.3.16

## ❀ वर्तमान ❀

"वर्तमान" मे ही आप
कांटे बोयेगे भविष्य मे
कांटे ही आयेगे-

बाबा स्वामी
29/3/16

30.3.16

# वर्तमान

"वर्तमान" मे फुल के पौधे लगायेंगे तो भविष्य मे फुल ही खिलेंगे

बाबास्वामी

30/3/2016

173

31.3.16

# ❀ वर्तमान ❀

आपका सारा "भविष्य"
ही आपके आज पर
ही निर्भर होता है,

बाबास्वामी
31/3/2016